रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डब्लू.बी.-अ.-16082023-248096
CG-WB-E-16082023-248096

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3465] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 14, 2023/श्रावण 23, 1945
No. 3465] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 14, 2023/SHRAVANA 23, 1945

वस्त्र मंत्रालय

(पटसन आयुक्त का कार्यालय)

आदेश

कोलकाता, 27 जुलाई, 2023

का.आ. 3624(अ).—दिनांक 6 जून, 2023 को सुनवाई हुई।

विभाग का प्रतिनिधित्व :-

श्री नीरज कुलहरि, उप पटसन आयुक्त

श्री सोम्यदिप्त दत्ता, सहायक निदेशक (पटसन निर्माण)

श्री सौनक चटर्जी, विधि अधिकारी

अभिकथित मील कंपनी का प्रतिनिधित्व:-

मेसर्स नॉर्थब्रूक जूट कंपनी लिमिटेड (इकाई – नॉर्थब्रूक जूट मील) के श्री एल. के. सलावत, महाप्रबंधक (वाणिज्य)

संक्षिप्त अभिकथन :-

जूट एवं जूट वस्त्र नियंत्रण आदेश, 2016 के मौजूदा प्रावधानों के संदर्भ में विभाग द्वारा निरीक्षण करने पर ओड़िशा राज्य नगर आपूर्ति निगम लिमिटेड को आपूर्ति के लिए स्वीकृत और पारित (लगभग) 1075 बी-ट्वील की गांठे कथित मील के गोदाम परिसर में पाई गई। इन 1075 गांठो में से कुछ गांठे उक्त गोदाम में अवलोकन करने के लिए आने वाले निरीक्षकों को अवलोकित और पहुंच योग्य थी, जिनमे से निरीक्षण दल ने इन पहुंच योग्य गांठो में से चार विवादित

गांठो का पता लगाया, जिसका PCSO No. OROSKO41122NBJ23313 दिनांक 04.11.2022 के तहत राज्य खरीद अभिकरण ओड़िशा राज्य नगर आपूर्ति लिमिटेड को आपूर्ति के लिए नामित निरीक्षण अभिकरण द्वारा दिनांक 26.12.2022 को निरीक्षण किया गया था। तदनुसार, क्रम संख्या

1089,1096 व 1098 एवं 1133 वाली इन विवादित गांठो को पटसन आयुक्त द्वारा नियुक्त नामित निरीक्षण एजेन्सी के प्रतिनिधि और उक्त जूट मील कंपनी के प्रतिनिधि की उपस्थिति में खोला गया।

इन विवादित गांठो को खोलने के पश्चात निम्नलिखित टिप्पणियां दिये गए –

क्रम सं	बेल संख्या	एसजीएस मोहर व स्टीकर संख्या	टिप्पणियां	टिप्पणी
1	1089	14161181 012108314	सभी थैलों में अस्पष्ट ब्रांडिंग पाई गई तथा अधिकांश थैले खराब पाए गए और जुड़े हुए थे।	सील से छेड़-छाड़, किया गया था
2	1096	14116193 01218307		
3	1098	14161196 012108308		
4	1133	14161160 012108305		

अंतिम आदेश :

निर्धारित तारीख पर विस्तृत सुनवाई हो चुकी है और आगे किसी पुनरावृति की आवश्यकता नहीं है। उपर बताएं गए सटीक आरोप को कथित जूट मील कंपनी द्वारा स्वीकार कर लिया गया है, उक्त स्वीकारोक्ति कथित मील द्वारा जारी 13 दिसम्बर, 2022 के पत्र के माध्यम से एवं कंपनी के साथ साथ सुनवाई हेतु निर्धारित तारीख पर कथित मील कंपनी के प्रतिनिधि के माध्यम से परिलक्षित होती है।

सभी पक्षों को विस्तार से सुनने के पश्चात यह आदेश दिया गया कि कथित मील को पीसीएसओ आवंटन 1 अगस्त, 2023 से शुरू होने वाले आगामी 6 माह के लिए उनकी कुल क्षमता का 50% तक कम कर दिया जाएगा। कथित मील कंपनी को नियंत्रण आदेश, 2016 के अनुसार निर्धारित सीमा अवधि के भीतर अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील करने की छूट दी गई है I

इस आदेश के प्रति सम्बधित पार्टियों को परिचालित करें।

[फा. सं. जूट(टी)-6/1/178/जीएन(1)/2019-I(ई)]

मलय चंदन चक्रवर्ती, पटसन आयुक्त

MINISTRY OF TEXTILES

(Office of the Jute Commissioner)

ORDER

Kolkata, the 27th July, 2023

S.O. 3624(E).—Hearing held on:- 6th June , 2023

Department Represented by:-

Sri Neeraj Kulhari - Deputy Jute Commissioner

Sri Soumyadipta Datta – Assistant Director (JM)

Sri Sounak Chatterjee- Law Officer

Alleged Mill Company Represented by:-

Sri L K Sablawat, General Manager (Commercial) of M/s Northbrook Jute Company Limited (Unit – Northbrook Jute Mills).

Precise allegation: -

On inspection by department in terms of the extant provisions of the Jute & Jute Textiles Control Order, 2016; (approx.) 1075 accepted and passed B-Twill bales meant for supply to Odisha State Civil Supplies Corporation Ltd. were found to be stocked in the go-down premises of the alleged jute mill. Out of these 1075 bales, few bales were physically visible and accessible to the visiting personnel in the said go-down premises; out of which the inspection team located four disputed bales from these accessible bales which were inspected by the nominated inspection agency on 26.11.2O22 for supply to the State Procurement Agency Odisha State Civil Supplies Corporation Ltd. under PCSO No. OROSKO41122NBJ23313 dated 04.11.2022. Accordingly, these disputed bales bearing Serial No(s). 1089, 1096, 1098 & 1133 were opened in presence of representative from the nominated inspection agency appointed by the Jute Commissioner (i.e. SGS), and representatives of the said jute mill company.

The following observations were made after opening these disputed bales -

Sl. No.	Bale no	SGS Seal & Sticker No.	Observations	Remarks
1	1089	14161181 012108314	All the bags were found with illegible branding and most of the bags were Defective and *joined* Bags.	Seal was found tampered
2	1096	1416193 01218307		-
3	1098	14161196 012108308		-
4	1133	14161160 012108305		-

Final Order:

On the given date, exhaustive hearing has been held and no further repetition is required, the allegation in precise as set out above has been admitted by the alleged jute mill company, the said admission is reflected through letter dated 13th December, 2022 issued by alleged Mill Company as well as through submissions of the alleged mill company representative on the given date of hearing.

Hearing all sides at length; it is ordered PCSO allotment to the alleged mill will be reduced to 50% of their total capacity for the coming 6 months commencing from 1st August, 2023. This order is in terms with Jute & Jute Textiles Control Order 2016. Liberty is given to the alleged mill company for preferring appeal to the appellate authority, in terms with the Control Order, 2016, within prescribed limitation period.

Let copy of this order be circulated to the concerned parties' forthwith.

[F. No. Jute(T)-6/1/178/GN(1)/2019-I(E)]

MOLOY CHANDAN CHAKRABORTTY, Jute Commissioner

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.
MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2023.08.16 19:36:42 +05'30'